3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रखने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

हंसगुल्ले

●प्राची पठाड़े

मुनमुन- मेरी शाला के शिक्षक को पढ़ाना नहीं आता।
माँ- तुम्हारी बातों पर कैसे विश्वास करूं?
मुनमुन- वे परसों कह रहीं थीं कि दो और तीन पाँच होते हैं और कल कह रहीं थी कि चार और एक पांच होते हैं और आज तो हद कर दी और मुझसे पूछने लगीं एक और एक कितना होता है?

परीक्षा हॉल में-
शिक्षिका- क्यों मुनमुन, बार बार पीछे क्यों देख रहीं हो?
मुनमुन- जी, प्रश्नपत्र में लिखा है कि कृपया पीछे पलटकर देखिए।

शिक्षिका- बेटे, कल मैंने भूतकाल के बारे में बताया था, एक वाक्य भूतकाल का बताओ?
रजत- मैं कल शाला नहीं आया था।
शिक्षिका-शाबास।

शिक्षक- ताज महल कहाँ है?
हर्ष- जी मालूम नहीं।
शिक्षक- ठीक है, बेंच पर खड़े हो जाओ।
हर्ष- जी, यहाँ से भी दिखाई नहीं दे रहा है।

* बैतूल (म.प्र.)